मैं जो खाटू में आता हूँ | By Sheetal Prajapati

हर पल मुस्काता हूँ मैं मौज उड़ाता हूँ
क्यों तरसु खुशियों को मैं जो खाटू में आता हूँ

किस्मत मेरे पीछे गुलाम सी चलती
मेरी सारा बाला ऊपर के ऊपर ही टलती
इज्ज़त की खाता हूँ मैं आनंद पाटा हूँ
क्यों तरसु खुशियों को मैं जो खाटू में आता हूँ
हर पल मुस्काता हूँ .....

छूटा रोना धोना मैं हँसके जीता हूँ
सुख का झरना बहता अमृत सा पीटा हूँ
अब नाम अमिन लजाता हूँ जो मांगू वो पाटा हूँ
क्यों तरसु खुशियों को मैं जो खाटू में आता हूँ
हर पल मुस्काता हूँ .....

जो खाटू में आये वो सदा ही मुस्काये
फिर इसकी मोरछड़ी उसके सर लहराए
योगी बतलाता हूँ, इसका दिया खाता हूँ
क्यों तरसु खुशियों को मैं जो खाटू में आता हूँ
हर पल मुस्काता हूँ .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%88%e0%a4%82-%e0%a4%9c%e0%a5%8b-%e0%a4%96%e0%a4%be%e0%a4%9f%e0%a5%82-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%86%e0%a4%a4%e0%a4%be-%e0%a4%b9%e0%a5%82%e0%a4%81-by-sheetal-prajapati/